

मुस्लिम लीग

इसकी स्थापना ढाका में 1906 ई. में आग खाँ एवं सलीमुल्लाखाँ ने किया इस समय वायसराय मिण्टो-II थे। 1909 में मुस्लिम लीग की मांग पर मुसलमानों की पृथक निर्वाचन क्षेत्र मिल गया जिस कारण कांग्रेस तथा लिग में विवाद होने लगा। ऐनी बेसेंट तथा तिलक जी के सहयोग से 1916 में कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में नरमदल, गरमदल तथा मुस्लिम लीग एक हो गए तथा कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की पृथक निर्वाचन क्षेत्र को स्वीकार कर लिया। 1929-30 के दौरान मो. इकबाल ने सर्वप्रथम द्वि-राष्ट्र की बात कही। चौधरी रहमत अल्ली पाकिस्तान शब्द लिया। 1937 के चुनाव के फलस्वरूप कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी थी और वायसराय के परिषद में कांग्रेस का दबदबा था और मुस्लिम लीग की शक्तियाँ कमजोर होते दिख रही थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में अंग्रेजों ने बिना भारतीयों तथा कांग्रेस के अनुमति के ही यह घोषणा कर दी की 3 लाख भारतीय सैनिक इंग्लैण्ड की तरफ से लड़ेंगे जिस कारण कांग्रेस ने 22 Dec. 1939 को वायसराय के परिषद से त्याग पत्र दे दिया। इससे खुश होकर मुस्लिम लीग ने 22 Dec. 1939 को मुक्ति दिवस के रूप में मनाया। 1940 में मुस्लिम लीग का लाहौर अधिवेशन हुआ। जिसकी अध्यक्षता जिन्ना ने किया। इन्होंने स्पष्ट रूप से पृथक पाकिस्तान की मांग कर दी। 1945 में लार्ड वेवेल ने भारत के विभिन्न पार्टियों को आपसी समनवय तथा सहयोग बनाए रखने के लिए शिमला सम्मेलन बुलाया। किन्तु इस सम्मेलन में मुस्लिम लीग पूरत तरह पृथक पाकिस्तान की माँग पर तुला हुआ था। किन्तु सम्मेलन में मुस्लिम लीग की बात नहीं मानी गई। और मुस्लिम लीग के पाकिस्तान के माँग के कारण ही यह सम्मेलन विफल हो पाया।

प्रत्यक्ष कारवाई दिवस

- शिमला सम्मेलन की विफलता के बाद मुस्लिम लीग ने 16 Aug 1946 को प्रत्यक्ष कारवाई दिवस (Direct Action Plan) घोषित किया जिसके तहत पूरे भारत में साम्प्रदायिक दंगे फैलाये गए।
- सबसे बड़ा दंगा, बंगाल के नोआखली में हुआ। मुस्लिम लीग का नारा था। " बांटो और आजाद करो।
- इन दंगों से तंग आकर कांग्रेस ने CR फमूर्ली के आधार पर विभाजन का समर्थन किया।
- लार्ड माऊंटबेटन को यह विशेष सलाह पर भारत भेजा गया की यथा संभव हो वे भारत को संयुक्त रखे किन्तु सम्प्रदायिक दंगों से तंग आकर माऊंट बेटन ने भी CR फमूर्ली का ही समर्थन किया और बाल्कन Plan के तहत 14 Aug 1944 को भारत का विभाजन कर दिया गया।
- मैकडुल रेडक्लिफ के नेतृत्व में भारत पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ नामक विभाजन रेखा खिंच दी गई। मोहम्मद अल्ली जिन्ना को पाकिस्तान का निर्माता कहा जाता है। लिआकत अल्ली पहले प्रधानमंत्री बने जो संयुक्त भारत के वित्तमंत्री थे।

सुभाषचन्द्र बोस

- सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 Jan 1897 को उड़ीसा के कटक में हुआ था। इनके गुरु C.R. Das थे। इन्होंने 1920 में इंडियन सिविल सर्विस (I.C.S.) की परीक्षा पास किन्तु 1921 में उन्होंने त्याग पत्र दे दिया और राजनीति में प्रवेश कर गए 1938 में गुजरात के हरिपुरा कांग्रेस अधिवेशन में अध्यक्ष बने।
- 1939 में (M.P.) के त्रिपुरी में महात्मागांधी पताभीसिता रमइया को अध्यक्ष बनाना चाहते थे। किन्तु इस अधिवेशन में मतदान द्वारा अध्यक्ष चुना गया और सुभाष चन्द्रबोस को अध्यक्ष चुना गया जिस कारण गांधी एवं बोस में मतभेद हो गया। कांग्रेस के इतिहासकार पताभी सितारमइया थे।
- सुभाष चंद्र बोस मतभेद होने के कारण कांग्रेस से त्याग पत्र दे दिया और एक अलग पार्टी फार्वड ब्लक की स्थापना 1930 में किया।
- कांग्रेस के खाली पदों को राजेन्द्र प्रसाद ने भरा। 1940 में भरकाऊ भाषण के कारण बोस को जेल हो गया। 1941 में

जेल से रिहा हो गए। ये जर्मनी में हीटलर से मिले।

- ☞ हिटलर ने इन्हें नेताजी की उपाधि दिया हिटलर जिन भारतीय सैनिकों को बंदी बनाया था।
- ☞ सुभाष चन्द्र बोस ने इन्हें इंग्लैण्ड के विरुद्ध लड़ने के लिए प्रेरित किया। इन सैनिकों को हथियार और Training जापान ने दिया। साथ ही अण्डमान और निकोबार (A & N) सुभाषचन्द्र बोस को उपहार में दे दिया।
- ☞ सुभाष चन्द्र बोस ने अण्डमान निकोबार का नाम शहीद एवं स्वराज दिया।
- ☞ सिंगापुर में इन सैनिकों को आजाद हिन्द फौज का हिस्सा बना दिया गया और महात्मागांधी को राष्ट्रपिता कहकर संबोधित किया गया।

आजाद हिन्द फौज

- ☞ इसके गठन का सर्वप्रथम विचार Indian Captain मोहन सिंह ने दिया अर्थात् यह कैप्टन मोहन सिंह के दिमाग की उपज थी।
- ☞ आजाद हिन्द फौज के संस्थापक रासबिहारी बोस थे। 4 July 1943 को सुभाष चन्द्र बोस आजाद हिन्द फौज के कप्तान बने इन्हें इस फौज का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। 21 Oct 1943 को सिंगापुर में सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की।
- ☞ सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज के सैनिकों को लेकर मणिपुर पर आक्रमण किया और उस को अपने नियंत्रण में कर लिया। मणिपुर के इम्फाल से सुभाष चन्द्र बोस ने जय हिन्द दिल्ली चलो का नारा दिया।
- ☞ 6 Aug तथा 9 Aug 1945 को अमेरिका ने जापान पर परमाणु हमला कर दिया जिस कारण सुभाष चन्द्र बोस ने जापान छोड़ दिया किन्तु 18 Aug 1945 को ताइवान (कामुसा) के समीप विमान दुर्घटना में इनकी मृत्यु हो गई।
- ☞ जापान सरकार ने इनकी मृत्यु की घोषणा 22 Aug 1945 को किया। इनकी मृत्यु के बाद आजाद हिन्द फौज की सैनिकों पर लाल किला में मुकदमा चलाया गया। इन सैनिकों की वकालत जवाहर लाल नेहरू तथा तेगबहादुर तथा K.N कागजु जैसे वकीलों ने किया।